आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 326 | उज्जैन, गुरुवार 16 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

चाहे जितनी जल्दी हो, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन अवश्य करें-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन का सभी से किया आह्वान

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जीवन अनमोल है। तेजी में या असावधानीवश सड़क सुरक्षा नियमों की अनदेखी किसी भी सूरत में उचित नहीं है। दुनिया का कोई भी काम किसी की जिंदगी से बड़ा नहीं होता, इसलिए चाहे जितनी भी जल्दी हो, सड़क पर चलते समय सुरक्षा नियमों का पालन करना हर नागरिक का प्राथमिक कर्तव्य है।

उन्होंने अपील की कि सभी लोग दुपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट लगाना कतई न भूलें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सुधरेंगे, तो जग भी सुधरेगा। सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना न केवल हमारी जरूरत है, बल्कि एक जागरूक नागरिक के रूप में हमारी बड़ी जिम्मेदारी भी है। सिविक सेंस कहता है कि वाहन चलाते समय हमें अपने साथ दूसरों के जीवन की सुरक्षा का दायित्व भी समझना चाहिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में सड़क सुरक्षा उपायों पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यशाला का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक अच्छे वाहन चालक की सच्ची कुशलता तो इस बात में है कि हम सड़क पर अपनी सेंसिबल ड्राइविंग और जिम्मेदारीपूर्ण आचरण से दूसरों को भी प्रेरणा दें। सड़क सुरक्षा के प्रति सामूहिक सजगता से ही दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। जन-जागरुकता से समाज में एक सुरक्षित यातायात संस्कृति और इसके लिए जरूरी व्यवस्थाओं का निर्माण किया जा सकता है।

विजय रैली में 7 घंटे लेट आए, करूर भगदड़ को लेकर सीएम स्टालिन का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 27 सितंबर की शाम तमिलनाडु के करूर में मची भगदड़ ने 41 लोगों की जान ले ली। एक्टर विजय की रैली में हुए इस हादसे की CBI जांच जारी है। इसी बीच करूर भगदड़ को लेकर सियासत भी गर्म होने लगी है। राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक्टर विजय पर निशाना साधा है।

अभिनेता से नेता बने एक्टर विजय कतमतमिलगा वेत्री कजगम पार्टी के अध्यक्ष हैं। वहीं, सीएम स्टालिन ने करूर भगदड़ के लिए विजय को जिम्मेदार ठहराया है।

स्टालिन ने क्या कहा- सीएम स्टालिन के अनुसार, पुलिस को बताया गया था कि यह रैली 5 घंटे की होगी। बाद में पुलिस को पता चला कि विजय दोपहर में आएंगे। मगर, विजय 7 घंटे की देरी से रैली में पहुंचे, जिसके कारण मौके पर भीड़ बढ़ गई और भगदड़ की स्थिति बन गई।

सीएम स्टालिन के अनुसार, यह भगदड़ का एक बड़ा कारण है। इसके अलावा स्टालिन ने इवेंट के आयोजनकर्ताओं को भी घेरा है। रैली में शामिल हुए लोगों के लिए खाने-पानी और बाथरूम तक के पुख्ता इंतजाम नहीं थे। ञ्कुय के कार्यकर्ताओं ने 2 एंबुलेंस के ड्राइवरों पर भी हमला कर दिया था, जिससे वो बुरी तरह घायल हो गए थे।

जुबीन गर्ग मौत मामले में आरोपियों को दूसरी जेल में शिफ्ट करने पर बवाल, नाराज फैन्स ने जमकर काटा बवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंगापुर में गायक जुबीन गर्ग की रहस्यमय मौत के मामले में गिरफ्तार पांच आरोपियों को असम के बक्सा जिले में भेजने को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। जेल के बाहर तनावपूर्ण स्थिति हो गई। इस दौरान गर्ग के प्रशंसकों ने पत्थर और चप्पल फेंकते हुए परिसर में घुसने का प्रयास किया।

दरअसल, एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि गायक जुबीन गर्ग के प्रशंसक आरोपियों को बक्सा जेल भेजने के फैसले से नाराज हैं। क्योंकि यह एक नवनिर्मित जेल है और यहां कोई कैदी नही हैं और यहां ढेर सारी सुविधाएं हैं। प्रशंसकों का आरोप है कि राज्य सरकार आरोपियों को बचाने की कोशिश कर रही है।

दो महीने पहले ही हुआ था जेल का उद्घाटन- कोर्ट ने आरोपियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए आदेश दिया है कि कि उन्हें ऐसी जेल में भेजा जाए जहां कैदियों की संख्या कम हो। इसके बाद जेल अधिकारियों ने सभी पांचों आरोपियों को मुशालपुर स्थित बक्सा जेल में स्थानांतरित करने का फैसला किया। इस जेल का उद्घाटन दो महीने पहले हुआ था और जहाँ अभी भी कोई कैदी नहीं है।

यूएनएचआरसी के लिए 7वीं बार चुना गया भारत, तीन वर्ष का कार्यकाल अगले वर्ष एक जनवरी शुरू होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के लिए सातवीं बार चुना गया है। उसका कार्यकाल 2026 से 2028 तक होगा।

यूएनएचआरसी ने मंगलवार को हुए चुनाव के परिणामों की घोषणा करते हुए एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में बताया कि भारत का तीन वर्ष का कार्यकाल एक जनवरी, 2026 से शुरू होगा।

यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पर्वतनेनी हरीश ने एक इंटरनेट मीडिया पोस्ट में भारी समर्थन के लिए सभी प्रतिनिधिमंडलों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, भारत को आज मानवाधिकार परिषद के 2026-28 कार्यकाल के लिए सातवीं बार चुना गया है। यह मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के प्रति भारत की अडिग प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम अपने कार्यकाल के दौरान इस उद्देश्य की सेवा करने की आशा करते हैं।

यूएनएचआरसी में होते हैं 47 सदस्य देश- यूएनएचआरसी में 47 सदस्य देश होते हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा में समान भौगोलिक वितरण नियमों के तहत तीन साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। भारत इससे पहले छह बार 2006-2007, 2008-2010, 2012-2014, 2015-2017, 2019-2021 और 2022-2024 में यूएनएचआरसी का सदस्य रह चुका है।

मुश्किल में फंस गई बेंगलुरु की सुरंग परियोजना, विशेषज्ञों ने निकाली कई गलतियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में 18.5 किलोमीटर लंबी सुरंग को मेट्रो कॉरिडोर के समानांतर चलाने की योजना है। प्रस्तावित हेब्बल-सिल्क बोर्ड भूमिगत सुरंग के लिए तैयार डीपीआर पर वरिष्ठ इंजीनियरों और विशेषज्ञों की एक विशेषज्ञ समिति गंभीर आपत्तियां उठाई है। विशेषज्ञों की पैनल ने वित्तीय और पर्यावरणीय समस्याओं को उजागर करते हुए इसे अपूर्ण, अवास्तविक और कम लागत वाला बताया है।

बेंगलुरु की 18.5 किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड टनल परियोजना पर उठे गंभीर आपत्तियों के चलते यह मुश्किल में फंस गई है। पैनल ने तकनीकी, वित्तीय और पर्यावरणीय समस्याओं को उजाकर करते हुए इस योजना को पूरी तरह से संशोधित करने की सलाह दी है।

मई में सौंपी थी रिपोर्ट- प्रस्तावित हेब्बल-सिल्क बोर्ड भूमिगत सुरंग के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) मई में कर्नाटक सरकार को सौंपी गई थी। इसमें महत्वपूर्ण डिजाइन, पर्यावरण और वित्तीय कमियों के बारे में चेतावनी दी गई थी।

बता दें कि उत्तर-दक्षिण यातायात की भीड़ को कम करने के लिए ग्रेटर बेंगलुरु अथॉरिटी (जीबीए) द्वारा प्रस्तावित 18.5 किलोमीटर लंबी सुरंग, मेट्रो कॉरिडोर के समानांतर चलने की योजना है। यह मेट्रो कॉरिडोर हेब्बल, मेखरी सर्कल, रेसकोर्स, लालबाग और सिल्क रोड को जोड़ेगी। अल्टिनोक कंसल्टिंग इंजीनियरिंग इंक और लायन इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा रिसर्ड के बाद रोडिक कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डीपीआर तैयार की गई थी।

50 लाख के इनामी 27 नक्सलियों ने किया सरेंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नक्सलवाद के खिलाफ सुरक्षाबलों को एक और बड़ी जीत मिली है। छत्तीसगढ़ के सुकमा में सक्रिय कई नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इन सभी नक्सलियों के सिर पर कुल मिलाकर 50 लाख का इनाम था। सरेंडर करने वालों की लिस्ट में 2 हार्डकोर नक्सली भी शामिल हैं। 27 नक्सलियों में 10 महिलाएं और 17 पुरुष शामिल हैं। इनमें से 1 सीवायसीएम, 15 पार्टी सदस्य और 11 अग्र संगठन से जुड़े थे। सभी 27 नक्सलियों पर 50 लाख रुपये का इनाम था। इनमें 1 माओवादी पर 10 लाख, 3 पर 8-8 लाख, 1 पर 3 लाख, 2 पर 2-2 लाख और 9 माओवादियों पर 1-1 लाख रुपये का इनाम था।

भाजपा ने जारी की उम्मीदवारों की एक और लिस्ट, मुस्लिम नाम भी शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव के लिए पहली लिस्ट जारी करने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने चार राज्यों में होने वाले विधानसभा उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में एक मुस्लिम चेहरा भी शामिल है। इससे पहले भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के लिए जो राज्यसभा चुनाव की लिस्ट जारी की थी उसमें भी एक मुस्लिम कैंडिडेट को मैदान में उतारा है। आज भाजपा ने चार राज्यों की पांच सीटों पर उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान कर दिया है।

भाजपा ने जम्मू-कश्मीक के बडगाम सीट से आगा सैयद मोहसिन को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, नगरोटा से देवयानी राणा भाजपा उम्मीदवार घोषित हुई हैं। भाजपा ने झारखंड की घाटशिला (एसटी) सुरक्षित सीट से उम्मीदवार के नाम का ऐलान किया है। यहां से बाबूलाल सोरेन को उपचुनाव के लिए मैदान में उतारा है।

भाजपा ने ओडिशा और तेलंगाना की एक-एक सीट के लिए भी उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की है। भगवा पार्टी ने ओडिशा की नुआपाड़ा सीट से जय ढोलकिया और तेलंगाना की जुबली हिल्स सीट से लंकाला दीपक रेड्डी को कैंडिडेट बनाया है।

आपको बता दें कि इससे पहले भारतीय जनता पार्टी ने जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की भी लिस्ट जारी की थी। उस लिस्ट में तीन उम्मीदवारों के नाम थे। भगवा पार्टी ने गुलाम मोहम्मद मीर, राकेश महाजन और सत पाल शर्मा को मैदान में उतारा है। आपको बता दें कि चुनाव आयोग ने चार सीटों के लिए चुनाव के लिए तीन अलग-अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं।

कठपुतलियों ने पूरा पाकिस्तान बेच दिया, शहबाज ने की ट्रंप की चापलूसी, तो इंटरनेट पर लोगों ने खूब सुनाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिस्र के गाजा शिखर सम्मेलन में दुनिया भर कई दिग्गज जुटे थे। अमेरिकी राष्ट्रपति की शांति योजना पर हस्ताक्षर करने के लिए मिस्र में इन वैश्विक नेताओं का जमावड़ा हुआ। हालांकि, यहां पर शहबाज शरीफ के भाषण से अपनी ओर सभी का ध्यान खींचा।

दरअसल, पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने अमेरिकी राष्ट्रपति की जमकर तारीफ़ की और उन्हें शांति पुरुष बताया। इतना ही नहीं पाकिस्तानी पीएम ने भारत-पाक युद्ध रोकने के लिए ट्रंप का शुक्रिया भी अदा किया। शहबाज शरीफ ने यहां तक कहा कि वह न सिर्फ दक्षिण एशिया में बल्कि मध्य पूर्व में भी लाखों लोगों की जान बचाने के लिए ट्रंप को फिर से नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकित करेंगे।

ट्रंप ने दिया ये जवाब- शहबाज शरीफ के इस बयान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने शानदार जवाब दिया। ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा कि वाह! मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। भले ही पाकिस्तानी पीएम की इस सराहना पर अमेरिकी राष्ट्रपति खुश हुए हों, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स ने शरीफ की ओर से की गई ट्रंप की प्रशंसा को पाकिस्तानियों का अपमान करार दिया है।

सोशल मीडिया पर लोगों की अलग-अलग राय देखने को मिल रही है। पाकिस्तानी राजनेता और इतिहासकार अम्मार अली जान ने एक्स पर लिखा कि शहबाज शरीफ द्वारा डोनल्ड ट्रंप की लगातार और बेवजह की गई प्रशंसा दुनिया भर के पाकिस्तानियों के लिए शर्मिंदगी का सबब है। वहीं, सोशल मीडिया यूजर एसएल कंथन ने एक्स पर लिखा कि जब भी ट्रंप अपने जूते पहले से कहीं ज़्यादा पॉलिश करवाना चाहते हैं, तो वे पाकिस्तान के छोटे कद के प्रधानमंत्री को बुला लेते हैं। भू-राजनीति में इतनी शर्मिंदगी मैंने पहले कभी नहीं देखी। वहीं, असद नाम के एक एक्स यूजर ने लिखा कि शहबाज शरीफ पाकिस्तान के 240 मिलियन लोगों का अपमान है।शहबाज शरीफ ने जमकर की थी ट्रंप की तारीफ

बता दें कि सोमवार को मिस्र में आयोजित पीस सम्मेलन में पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का श्रेय एक बार फिर अमेरिकी राष्ट्रपति को दिया। मिस्र के शर्म अल-शेख में विश्व नेताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए, शरीफ ने अपने पाँच मिनट के भाषण में इज़राइल और हमास के बीच युद्धविराम कराने के लिए ट्रंप की बार-बार प्रशंसा की।

सीजफायर के बीच हमास की बड़ी चूक, लौटाया गलत शव; इजरायल ने कहा- ये बर्दाश्त नहीं...

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल सेना ने बुधवार को दावा किया कि मंगलवार को हमास की ओर से युद्धविराम समझौते के तहत लौटाए गए चार शवों में से एक बंधक का शव नहीं है। सेना ने बताया कि रातभर चले फोरेंसिक टेस्ट में पाया गया कि एक शव किसी भी बंधक से मेल नहीं खाता।

इजरायली सेना ने चेतावनी दी कि हमास को सभी मृत बंधकों को लौटाने के लिए जरूरी कदम उठाने होंगे। हमास ने सोमवार से अब तक 20 जीवित बंधक और 8 शव लौटाए हैं जिनमें 6 इजरायली, 1 नेपाली और 1 अज्ञात व्यक्ति शामिल हैं।

सीजफायर पर कैसे बनी बात- यह अदला-बदली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के तहत हुई। उधर, गाजा के एक अस्पताल ने कहा है कि उसे इजरायल की ओर से लौटाए गए 45 फलिस्तीनी शव मिले हैं।

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बुधवार को कहा कि हमास को युद्धविराम समझौते की शर्तें पूरी करनी होंगी। उन्होंने कहा, ÷हम आखिरी मृत बंधक के लौटाने तक चैन से नहीं बैठेंगे।÷ समझौते के मुताबिक, सोमवार तक सभी जीवित और मृत बंधकों को लौटाना था। अगर समयसीमा में ऐसा न हो, तो हमास को मृत बंधकों की जानकारी साझा करनी थी और जल्द से जल्द लौटाना था।

हमास ने पहले भी लौटाए हैं गलत शव- यह पहला मामला नहीं है जब हमास ने गलत शव लौटाया हो। इससे पहले एक युद्धविराम के दौरान, हमास ने दावा किया था कि उसने शिरी बिबास और उसके दो बेटों के शव लौटाए हैं, लेकिन जांच में पता चला कि उनमें से एक शव एक फलिस्तीनी महिला का था। बिबास का शव एक दिन बाद सही रूप में लौटाया गया।

हमास प्रवक्ता हाजेम कासेम ने बुधवार को कहा कि समूह समझौते के अनुसार, शव लौटाने पर काम कर रहा है, लेकिन इजरायल ने मंगलवार को पूर्वी गाजा सिटी और रफा में गोलीबारी करके युद्धविराम तोड़ा। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि सेना केवल तय की गई सीमाओं पर तैनात है और कोई भी व्यक्ति उस सीमा के पास आया तो उसे निशाना बनाया जाएगा।

मंगलवार को लौटाए गए दो बंधकों के शवों का बुधवार को तेल अवीव के पास अंतिम संस्कार किया गया। परिवारों ने लोगों से अपील की कि वे रास्ते में खड़े होकर श्रद्धांजलि दें। पिछले युद्धविराम में भी हजारों इजरायली सड़कों पर उतरकर झंडे के साथ मौन खड़े रहे थे।

आसानी से नहीं मिलेगा ब्रिटेन का वीजा, देनी होगी अंग्रेजी की कठिन परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन का वीजा अब आसानी से नहीं मिलेगा। वीजा आवेदकों को अंग्रेजी भाषा की नई कठिन परीक्षा देनी होगी। ब्रिटेन सरकार ने इस संबंध में मंगलवार को संसद में प्रस्ताव पेश किया। नया सिक्योर इंग्लिश लैंग्वेज टेस्ट के परिणामों को आठ जनवरी, 2026 से सभी कुशल श्रमिकों के लिए आगामी वीजा आवेदन प्रक्रिया के रूप में सत्यापित किया जाएगा।

इसका मतलब है कि अंग्रेजी टेस्ट के परिणामों के आधार पर वीजा मिलेगा। आवेदक का अंग्रेजी बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने का स्तर ए-लेवल या कक्षा 12 के समकक्ष होना चाहिए। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा, यह अस्वीकार्य है कि प्रवासी हमारी भाषा सीखे बिना यहां आएं।

सिखनी होगी भाषा- यदि आप इस देश में आते हैं, तो आपको हमारी भाषा सीखनी होगी।कानून में अन्य बदलाव भी किए जाएंगे। भारतीय छात्रों के बीच लोकप्रिय ग्रेजुएट रूट वीजा के तहत अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए स्नातक स्तर की नौकरी खोजने का समय एक जनवरी, 2027 से मौजूदा दो साल से घटाकर 18 महीने कर दिया जाएगा।

US टैरिफ के बाद चिनफिंग ने उठाया ये कदम, ट्रंप बोले- चीन जानबूझकर परेशान कर रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने मंगलवार को चीन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह जानबूझकर अमेरिकी सोयाबीन किसानों से खरीदारी नहीं कर रहा है।

इसे आर्थिक दुश्मनी बताते हुए ट्रंप ने चीन के साथ खाद्य तेल और अन्य व्यापारिक रिश्तों को खत्म करने की धमकी दी है। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा, हम आसानी से खाद्य तेल खुद बना सकते हैं, हमें इसके लिए चीन की जरूरत नहीं।

यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका में सोयाबीन की फसल शुरू हो चुकी है, लेकिन चीन ने इस बार एक भी खरीदारी नहीं की, जिससे कीमतें गिर रही हैं और किसान संकट में हैं।

कभी अमेरिकी सोयाबीन का बड़ा सौदागर था चीन- चीन अब दक्षिण अमेरिका से सोयाबीन खरीद रहा है। लेकिन पहले वह अमेरिकी सोयाबीन का सबसे बड़ा खरीदार था। सितंबर में अकेले अर्जेंटीना से 20 लाख टन सोयाबीन खरीदा गया। यह कदम ट्रंप प्रशासन की ओर से लगाए गए नए टैरिफ के जवाब में देखा जा रहा है। अमेरिकी किसानों की मुश्किलें बढ़ीं

फ्रांस के 2 नागरिकों को ईरान में हुई 63 साल की जेल, दोनों पर लगा था जासूसी का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की एक अदालत ने फ्रांस के 2 नागरिकों को कुल 63 साल की सजा सुनाई है। उनके खिलाफ जासूसी और राष्ट्रीय सुरक्षा का आरोप था। मंगलवार को ईरान की कोर्ट ने दोनों को दोषी करार देते हुए कुल 63 साल की सजा दी है। दोनों को 30-30 से ज्यादा समय तक जेल में बिताना होगा।

ईरानी मीडिया के अनुसार, दोनों को सेसिल कोहलर और चक पेरिस नाम दिया गया है, लेकिन उनके असली नाम का खुलासा नहीं किया है। ईरान की पुलिस ने दोनों को 2022 में गिरफ्तार किया था। हालांकि, फ्रांस ने इन आरोपों को झूठा बताते हुए कोर्ट के फैसले को अन्यायपूर्ण कहा है।

सुप्रीम कोर्ट में दी जा सकती है चुनौती- अदालत के इस फैसले के खिलाफ अगले 20 दिनों के भीतर सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है। बता दें कि ईरानी अदालत का फैसला ऐसे समय आया है, जब तेहरान ने फ्रांस की कैद में मौजूद ईरानी नागरिक को छोड़ने की मांग की है।

ईरान की रिवोल्यूशनरी कोर्ट बंद कमरे में सुनवाई करती है। वहीं, आरोपियों को उनके खिलाफ इकट्ठा किए गए सबूतों तक पहुंचने की भी इजाजत नहीं होती है। कोर्ट का कहना है कि दोनों आरोपी फ्रांस की खुफिया एजेंसी के लिए काम करते थे और इजरायल को संवेदनशील जानकारियां पहुंचा रहे थे।

अदालत ने दोनों को 30-30 साल ज्यादा की सजा दी है, जो कुल मिलाकर 63 साल की होगी। ईरान की पुलिस ने दोनों को सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने वालों की रैली से गिरफ्तार किया था।

टैरिफ अटैक के बावजूद रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीद रहा भारत

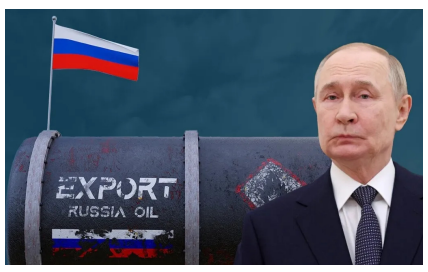

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस भारत के लिए तेल का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है, जो सितंबर 2025 में 34त्न कच्चे तेल की आपूर्ति के साथ शीर्ष पर रहा। हालांकि, कमोडिटीज और शिपिंग मार्केट ट्रैकर केपलर की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 के पहले आठ महीनों में रूसी तेल के आयात में 10त्न की गिरावट दर्ज की गई है।

सितंबर में भारत ने 45 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) से अधिक कच्चा तेल आयात किया, जो अगस्त की तुलना में 70,000 बैरल अधिक है, लेकिन पिछले साल के समान अवधि की तुलना में स्थिर रहा। इसमें रूसी तेल की हिस्सेदारी 16 लाख बीपीडी थी।

डिस्काउंट कम करने से मांग में कमी- अक्टूबर में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी तेल की मात्रा 16 लाख बीपीडी रही, जो 2025 के पहले आठ महीनों के औसत से 1.8 लाख बैरल कम है। केपलर की रिपोर्ट बताती है कि यह कमी बाजार की गतिशीलता के कारण है, न कि अमेरिकी टैरिफ की धमकी या यूरोपीय आलोचनाओं की वजह से ऐसा हो रहा है।

तेल की कीमतों में गिरावट ने रूसी कच्चे तेल पर मिलने वाला डिस्काउंट घटाकर लगभग 2 डॉलर प्रति बैरल कर दिया है। इससे भारतीय रिफाइनरों के लिए पश्चिम एशिया, अफ्रीका और अमेरिका जैसे अन्य स्रोतों से तेल खरीदने के अवसर बढ़ गए हैं, जो विभिन्न प्रकार के कच्चे तेल को प्रोसेस करने में सक्षम हैं।

2 घंटे से ज्यादा फोन चलाना मना है, जापान के इस शहर में नए नियम पर कैसा है लोगों का रिएक्शन?

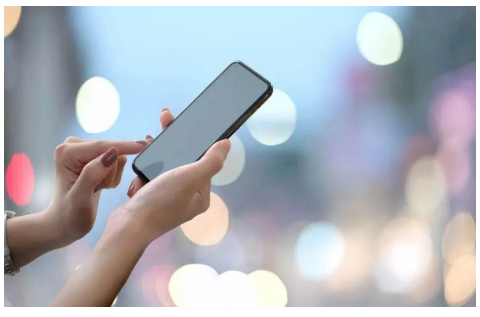

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोबाइल फोन का इस्तेमाल ज्यादातर लोगों की दिनचर्या का अहम हिस्सा बन चुका है। पढ़ाई से लेकर टाइम पास तक, हर चीज का ख्याल आते ही सबसे पहले हाथ स्मार्टफोन पर ही जाता है। मगर, कैसा हो जब आपको दिन भर में सिर्फ 2 घंटे की फोन इस्तेमाल करने की अनुमति मिले?

ऐसा ही कुछ हुआ है जापान के एक शहर में। शहर की मेयर ने फोन के इस्तेमाल पर लिमिट लगा दी है। अब लोगों को 2 घंटे से अधिक फोन इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं है।

यह दिशानिर्देश 1 अक्टूबर को सामने आए थे, जिसके बाद न सिर्फ जापान बल्कि पूरी दुनिया में खलबली मच गई है। हर कोई जानना चाहता है कि फोन इस्तेमाल करने की लिमिट लागू होने के बाद लोगों की दिनचर्या कैसी गुजर रही है?

मेयर ने जारी किया आदेश- यह मामला सेंट्रल जापान में स्थित आइची शहर का है। इस शहर की आबादी 68,000 के लगभग है। यहां की मेयर ने 1 अक्टूबर को गाइडलाइंस जारी करते हुए लोगों को 2 घंटे से अधिक मोबाइल फोन या टैबलेट इस्तेमाल न करने की सलाह दी है। टोयोएक महानगरपालिका ने ईमेल भेजते हुए कहा-

अपनी सेहत और सोने के घंटों का खास ख्याल रखें। आप जितने भी घंटे फोन या अन्य उपकरणों का इस्तेमाल करते हैं, उसकी बजाए अपने परिवार के साथ समय बिताएं।

महिलाओं की किडनैपिंग के मामले में बंगाल टॉप पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल में अपहरण की घटनाएं बढ़ी हैं, जिनमें महिलाओं को अधिक निशाना बनाया जा रहा है। महिलाओं के अपहरण की संख्या पुरुषों की तुलना में लगभग पांच गुना है। हाल ही में प्रकाशित राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) 2023 की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। 2023 में राज्य में अकेले महिलाओं के खिलाफ ऐसे अपराधों की संख्या 6,920 थी। पुरुषों की संख्या 1,590 थी।

क्राइम इन इंडिया के 2023 के आंकड़ों के अनुसार एक साल में देश भर में 1,06,584 अपहरण की शिकायतें दर्ज की गईं। इसमें से बंगाल में दर्ज ऐसे अपराधों की संख्या 8,233 है। 2022 में राज्य में ऐसे अपराधों की संख्या 8088 थी। यानी 2022 की तुलना में 2023 में राज्य में अपहरण की संख्या में 145 की वृद्धि हुई है।

उत्तर प्रदेश सूची में सबसे ऊपर- रिपोर्ट से पता चलता है कि अपहरण से संबंधित अपराधों के मामले में उत्तर प्रदेश राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सूची में सबसे ऊपर है। एक साल में यूपी में 16,663 अपराध दर्ज किए गए। यह बंगाल से दोगुना है। उत्तर प्रदेश के बाद इस अपराध में बिहार और महाराष्ट्र का स्थान है। इन दोनों राज्यों में क्रमशः 14,371 और 13,106 अपराध दर्ज किए गए हैं।

लक्षद्वीप व मिजोरम में सबसे कम- अपहरण के मामले- एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, राज्यों में अपहरण से संबंधित अपराधों की सबसे कम संख्या मिजोरम में है। केवल पांच। हालांकि, अगर हम केंद्र शासित प्रदेशों को लें, तो देखा जा सकता है कि लक्षद्वीप मिजोरम से आगे है।

रायपुर में युवक की बेरहमी से पिटाई, इलाज के दौरान मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी रायपुर के फाफाडीह इलाके में हुए हमले में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान 19 वर्षीय बलराम सोनी के रूप में हुई है, जो उत्तरप्रदेश के कर्वी चित्रकूट का निवासी था।

जानकारी के अनुसार, घटना तीन अक्टूबर की देर रात की है। दुर्गा विसर्जन की झांकी देखकर लौटते समय फाफाडीह क्षेत्र में कुछ अज्ञात बदमाशों ने बलराम पर लाठी, डंडे और धारदार हथियारों से हमला कर दिया था।

हमले में युवक के माथे, सिर, नाक और पेट पर गंभीर चोटें आई थीं। गंभीर हालत में उसे अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी बदमाश मौके से फरार हो गए थे।

पुलिस ने गंज थाना क्षेत्र में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है और उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूत्रों की मदद से आरोपियों की पहचान करने में जुटी हुई है।

कांकेर और सुकमा में माओवादियों का बड़ा समर्पण, 100 से अधिक माओवादियों ने डाले हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के माओवादी हिंसा प्रभावित बस्तर अंचल में माओवाद विरोधी अभियानों को अभूतपूर्व सफलता मिली है। राज्य सरकार की प्रभावी %माओवादी समर्पण नीति% की बदौलत कांकेर और सुकमा जिलों में एक साथ 100 से अधिक माओवादियों ने हथियार डाल दिए हैं। इस सामूहिक आत्मसमर्पण को बस्तर में शांति की वापसी की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम माना जा रहा है।

कांकेर में शीर्ष कैडरों का समर्पण- कांकेर जिले के पंखाजुर थाना क्षेत्र में सक्रिय 60 से अधिक माओवादियों ने पुलिस अधीक्षक के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वालों में राजू सलाम, कमांडर प्रसाद और मीना सहित कई बड़े माओवादी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने इस घटना को सरकारी योजनाओं और विकास कार्यों से प्रभावित होकर मुख्यधारा में लौटने का परिणाम बताया। सभी समर्पित माओवादियों को सरकारी नीति के तहत नकद प्रोत्साहन, आवास और व्यावसायिक प्रशिक्षण पैकेज प्रदान किए जाएंगे।

सुकमा जिले में माओवादी विरोधी अभियान में बड़ी सफलता मिली है। कुल 27 सक्रिय माओवादियों ने हथियार डालकर आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें दो हार्डकोर माओवादी शामिल हैं, जो पीएलजीए बटालियन-01 में सक्रिय थे।

फांसी या लीथल इंजेक्शन? सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा- क्यों नहीं बदलते वक्त के साथ; SC में बहस तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के उस रुख पर सख्त टिप्पणी की है, जिसमें उसने मौत की सजा पाए कैदियों को लीथल इंजेक्शन का विकल्प देने का विरोध किया था। यह मामला एक जनहित याचिका का है, जिसमें पारंपरिक फांसी की जगह लीथल इंजेक्शन या अन्य विकल्प देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ऋषि मल्होत्रा ने कहा, कम से कम कैदी को यह विकल्प दिया जाए कि वह फांसी से या इंजेक्शन से मरना चाहता है। इंजेक्शन से मौत जल्दी और मानवीय तरीके से होती है, जबकि फांसी क्रूर और लंबी प्रक्रिया है। वकील ने यह भी बताया कि सेना में यह विकल्प पहले से मौजूद है।

केंद्र सरकार ने क्या कहा था- केंद्र सरकार ने अपने जवाबी हलफनामे में कहा कि ऐसा विकल्प देना व्यावहारिक नहीं है। इस पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि सरकार समय के साथ बदलाव के लिए तैयार नहीं है।

पीठ ने कहा, समस्या यही है कि सरकार पुराने तरीकों से बाहर नहीं निकलना चाहती। फांसी बहुत पुरानी प्रक्रिया है, समय के साथ चीजें बदल चुकी हैं। सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता सोनिया माथुर ने कहा कि इस तरह का विकल्प देना नीतिगत निर्णय विषय है। अदालत ने फिलहाल सुनवाई 11 नवंबर तक टाल दी।

क्यों अन्य विकल्प की है जरूरत- याचिकाकर्ता ने कहा कि फांसी के जरिए मौत आने में 40 मिनट तक लग सकते हैं, जिससे कैदी को अत्यधिक दर्द और पीड़ा होती है। इसके बजाय इंजेक्शन, गोली मारना, इलेक्ट्रिक चेयर या गैस चैम्बर जैसे तरीके अधिक तेज और कम पीड़ादायक हैं।

अमेरिका में होता है लीथल इंजेक्शन का इस्तेमाल- याचिका में कहा गया कि अमेरिका के 50 में से 49 राज्यों में लीथल इंजेक्शन का इस्तेमाल होता है। साथ ही, आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 354(5) को भेदभावपूर्ण और अनुच्छेद 21 के खिलाफ बताया गया। याचिका में यह भी कहा गया कि सम्मानजनक तरीके से मरने का अधिकार भी जीवन के अधिकार का हिस्सा होना चाहिए।

एनेस्थेसिया की ओवरडोज देकर पत्नी को उतारा मौत के घाट, 6 महीने बाद पति गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु में पुलिस ने एक महिला डॉक्टर की मौत के 6 महीने बाद उसके पति और उसके डॉक्टर साथी को कथित तौर पर हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है।

आरोप है कि महिला डॉक्टर के पति, डॉ. महेंद्र रेड्डी, जो खुद एक जनरल सर्जन हैं, उन्होंने अपने घर में अपनी पत्नी को बेहोशी का दवा का ओवरडोज दे दिया। यह घटना 21 अप्रैल को हुई थी।

बताया जा रहा है कि उनकी पत्नी, स्किन एक्सपर्ट डॉ. कृतिका रेड्डी घर में बीमार पड़ गई और उनके पति तुरंत उन्हें पास के अस्पताल ले गए। अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरुआत में मराठाहल्ली पुलिस स्टेशन में अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया गया था। इस जोड़े की शादी पिछले साल 26 मई को हुई थी। और दोनों विक्टोरिया अस्पताल में डॉक्टर थे।

जांच के दौरान पुलिस के मिले अहम सबूत- जांच के दौरान एसओसीओ ने एक कैनुला सेट, इंजेक्शन ट्यूब सहित कई महत्वपूर्ण सबूत बरामद किए। इन सभी सबूतों को फोरेंसिक जांच के लिए एक्सपर्ट को सौंप दिया गया था। मौत के कारणों का पता लगाने के लिए विसरा के नमूने इकट्ठे किए गए और एफएसएल भेजे गए।

बाद में एफएसएल रिपोर्ट में मृतक डॉक्टर के शरीर में प्रोपोफोल की मौजूदगी की पुष्टि हुई, जो एक आपराधिक कृत्य का संकेत देती है।

रिपोर्ट के आधार पर मृतक के पिता ने दर्ज कराई शिकायत- इस रिपोर्ट के आधार पर, पीड़िता के पिता ने 13 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि उनके दामाद ने एनेस्थेटिक एजेंट का उपयोग करके उनकी बेटी की हत्या कर दी है। मामले पर त्वरित एक्शन लेते हुए मराठाहल्ली पुलिस ने 14 अक्टूबर को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस को शक है कि आरोपी ने मौत को स्वाभाविक दिखाने के लिए अपनी मेडिकल एक्सपर्टीज का इस्तेमाल किया था।

15 नवंबर से बदल जाएंगे फास्टैग के नियम, लगेगा दोगुना टोल, लेकिन इन्हें मिलेगी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप भी अक्सर हाइवे पर वाहन चलाते हैं, तो ये खबर आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है। अगले महीने यानी 15 नवंबर से फास्टैग के नियमों में बदलाव होने जा रहा है। इन बदलावों का सीधा वाहन चलाने वालों पर पड़ने वाला है।

दरअसल, केंद्र सरकार ने घोषणा करते हुए कहा कि 15 नवंबर से बिना वैध फास्टैग के टोल प्लाजा पर प्रवेश करने वाले वाहनों को नकद भुगतान करने पर सामान्य शुल्क का दोगुना भुगतान करना होगा। हालांकि, यूपीआई का उपयोग कर के पेमेंट करने वालों को थोड़ी राहत होगी।

इन लोगों को मिलेगी राहत- वहीं, बिना वैध फास्टैग के टोल प्लाजा पर प्रवेश करने वाले वाहन अगर यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस की मदद से टोल देने का विकल्प चुनते हैं, तो उन्हें टोल का केवल 1.25 गुना ही भुगतान करना होगा।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार के यह कदम राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों का निर्धारण और संग्रह) नियम 2008 में संशोधन का एक हिस्सा है। इसका उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्गों पर नकद लेनदेन पर अंकुश लगाना और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना है।

सामान्य भाषा में समझिए नया नियम- सामान्य भाषा में समझें, तो यदि किसी वाहन के पास वैध फास्टैग नहीं है या किसी कारणवश उसका फास्टैग नहीं काम कर रहा है और उस वाहन का फास्टैग के माध्यम से टोल 100 रुपये देना है, तो नकद भुगतान के लिए यह बढ़कर 200 रुपये और UPI भुगतान के लिए 125 रुपये हो जाएगा।

माना जा रहा है कि ये नया नियम यातायात प्रवाह को सुव्यवस्थित करने और टोल संग्रह में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद करेगा। इसके साथ ही यह यात्रियों को डिजिटल माध्यम अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बनाया गया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

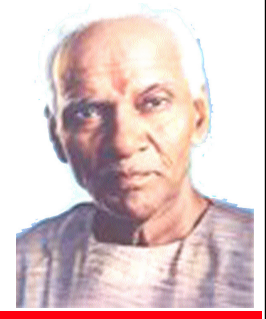

विक्रम संवत 2079 कृष्ण दशमी

संपादकीय

सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चला है...

सोना आम आदमी की पहुंच से बाहर हो चला है एक साल के भीतर साठ फीसद दाम बढोत्तरी किसी भी दूसरी वस्तु में देखने को नहीं मिली है लेकिन इसके बावजूद सोने के दाम की दौड़ जारी है। यह कहां जाकर रुकेगा,इस बारे में अभी ताज़ा अनुमान डेढ़ लाख रुपए प्रति दस ग्राम का लगाया जा रहा है। सोना रोज बढ़ रहा है, जिन्होंने सोने में निवेश कर रखा है, वो तो बहुत ही खुश हैं लेकिन जो नहीं खरीद पाए, वो पछता रहे हैं। दरअसल सोने की कीमतों में एकतरफा तेजी देखने को मिल रही है। साल 2025 में ही सोना 60 फीसदी महंगा हो चुका है। ग्लोबल मार्केट में गोल्ड की कीमत 4000 प्रति औंस से ऊपर चली गई है।

अब एक्सपर्ट्स कह रहे हैं कि सोने का इतना महंगा होना भी खतरे से खाली नहीं है। सोने की कीमतों में तेजी को केवल प्रॉफिट से जोड़ना सही नहीं होगा। इसके पीछे डर और अनिश्चितता भी है। एक्सपर्ट्स् का कहना है कि आज के दौर में सबसे ज्यादा सोना केंद्रीय बैंक, सॉवरेन फंड और संस्थागत निवेशक खरीद रहे हैं, वे सोना इस उम्मीद से नहीं खरीद रहे हैं कि मुनाफा देगा, बल्कि इसके जरिए वे अपने पोर्टफोलियो को सुरक्षा देना चाहते हैं। यानी सेफ्टी के लिए केंद्रीय बैंक भी सोने भी सोने की तरफ भाग रहे हैं। ऐसे में आप कह सकते हैं कि जब सरकारें रिकॉर्ड ऊंचाई पर सोना खरीदती हैं, तो वे मुनाफे के पीछे नहीं भागतीं। इसके पीछे गहरे राज छिपे होते हैं।

भारतीय जन जीवन में सोने के आभूषणों का चलन सदियों से चला आ रहा है। भारतीयों के लिए सोना निवेश का कोई सर्वमान्य समाधान नहीं है। सोना हमारे रीति, रिवाज और परंपराओं में रचा-बसा है। चाहे दीवाली-अक्षय तृतीया का पर्व हो, बेटी की विदाई का भावपूर्ण अवसर हो या बहू को शगुन में उपहार भेंट करने का शुभ मौका। जीवन में इन तमाम महत्वपूर्ण अवसरों पर हमारे संस्कार और खुशियां सोने के बिना पूर्ण नहीं होती हैं। ऐसे में त्यौहारों के मौके पर और त्योहारों के कुछ दिन बाद शुरू होने वाले शुभ-लग्न में सोने का महंगा होना बहुत परेशान करेगा। कुछ सट्टेबाजों, निवेशकों के लिए बेशक हर दिन महंगा होता सोना कमाई का मौका हो सकता है लेकिन आम भारतीयों के लिए यह गंभीर चिंता और परेशानी का कारण बन गया है। त्योहारों और शादियों का मौसम है। बेटी की शादी होनी है, तो आप कुछ सोने के आभूषण बनवाने की सोच रहे होंगे, लेकिन बजट अनुमति नहीं देता, क्योंकि सोना आम आदमी के बजट से बाहर होता जा रहा है। दरअसल 10 ग्राम सोने के दाम 1.25 लाख रुपये तक पहुंच चुके हैं और चांदी भी 1.5 लाख रुपये के पार चली गई है। आम आदमी बेटी को सोना कैसे दे पायेगा वर्ल्ड गोल्ड कार्डोसल का मानना है कि सोने में अब भी उतना निवेश नहीं हो रहा, जितना होना चाहिए। वैश्विक निजी निवेश में सोने की हिस्सेदारी मात्र 1-2 फीसदी ही है, जबकि केंद्रीय बैंकों में सोने का रिजर्व 10-20 फीसदी के बीच रहा है। फिर भी यह दिलचस्प और हैरान करने वाला तथ्य है कि 2022 की दीपावली के बाद से सोने की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का आकलन है कि 2026 की दीपावली तक सोने के दाम और बढ़ सकते हैं, क्योंकि बड़े निवेशक और दुनिया भर के केंद्रीय बैंक सोने में लगातार निवेश कर रहे हैं। चीन का पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना सितंबर में लगातार 11 वें महीने सोने का शुद्ध खरीददार रहा है। यह डॉलर पर निर्भरता कम करने की चीन की रणनीति का हिस्सा है। 2025 में अभी तक घरेलू बाजार में सोने का रिटर्न करीब 60 फीसदी रहा है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यह रिटर्न करीब 53 फीसदी रहा है। गोल्ड ईटीएफ में भी इस साल अभी तक 17 फीसदी निवेश बढ़ चुका है। सितंबर में गोल्ड इंटीएफ में 1.53 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ, जोकि एक माह में सबसे अधिक है।

विश्व खाद्य दिवस

विश्व खाद्य दिवस प्रत्येक वर्ष %16 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाते हुए बत्तीस वर्ष हो चुके हैं, लेकिन दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है। यह संख्या आज भी तेज़ी से बढती जा रही है। विश्व में आज भी कई लोग ऐसे हैं, जो भूखमरी से जूझ रहे हैं। इस मामले में विकासशील या विकसित देशों में किसी तरह का कोई फ़र्क़ नहीं है। विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया जा रहा है और इसमें क़रीब 80 फीसदी लोग विकासशील देशों में रहेंगे। ऐसे में किस तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, यह एक बड़ा प्रश्न है। दुनिया में एक तरफ़ तो ऐसे लोग हैं, जिनके घर में खाना खूब बर्बाद होता है और फेंक दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जिन्हें एक समय का भोजन भी नहीं मिल पाता। खाद्यान्न की इसी समस्या को देखते हुए 16 अक्टूबर को हर साल विश्व खाद्य दिवस मनाने की घोषणा की गई थी।

शुरुआत- विश्व समाज के संतुलित विकास के लिए यह आवश्यक है कि मनुष्य का सर्वांगीण विकास हो। विश्व में लोगों को संतुलित भोजन की इतनी मात्रा मिले कि वे कुपोषण के दायरे से बाहर निकल कर एक स्वस्थ जीवन जी सकें। लोगों को संतुलित भोजन मिल सके, इसके लिए आवश्यक है कि विश्व में खाद्यान्न का उत्पादन भी पर्याप्त मात्रा में हो। दिन पर दिन विश्व की जनसंख्या में हो रही वृद्धि और खाद्य पदार्थों के सीमित भंडार को देखते हुए खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने की ज़रूरत महसूस की गई। इसे ध्यान में रखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 16 अक्टूबर, 1945 को रोम में खाद्य एवं कृषि संगठन÷ (एफएओ) की स्थापना की। संसार में व्याप्त भुखमरी के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने एवं इसे खत्म करने के लिए 1980 से 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस का आयोजन शुरू किया गया।

उद्देश्य- विश्व खाद्य दिवस का मुख्य उद्देश्य दुनिया से भुखमरी को खत्म करना है। आज भी विश्व में करोड़ों लोग भुखमरी के शिकार हैं। वर्तमान समय में यह बहुत आवश्यक हो गया है कि विश्व से भुखमरी मिटाने के लिए अत्याधुनिक तरीके से खेती की जाये। विश्व खाद्य दिवस का उद्देश्य खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए विकासशील देशों के मध्य तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग बढ़ाना और विकसित देशों से आधुनिक तकनीकी मदद उपलब्ध कराना है। संयुक्त राष्ट्र की तमाम संस्थाओं द्वारा विकासशील देशों में ग़रीबी एवं भूखमरी से निपटने के लिए तमाम प्रयास भी शुरू किए गए हैं। ख़ासतौर पर अफ़्रीका महाद्वीप के रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया, सेनेगल, सोमालिया और इरीट्रिया आदि देशों में जहाँ यह समस्या काफ़ी भयावह है।

तेज़ी से बढ़ती भुखमरी- दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या तेज़ी से बढती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन के अनुसार 2002 की तुलना में खाद्यान्नों की कीमतों में 140 प्रतिशत की भारी-भरकम वृद्धि हुई है। इसकी वजह से दिसम्बर 2007 से 40 देशो को खाद्यान्न संकट का सामना करना पड़ रहा है। हैती और मैक्सिको में लाखों लोग इसके ख़िलाफ़ सड़कों पर उतर आए। वहीं कई देशों में दंगे और लूटपाट की घटनाएँ भी हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इन देशों में खाद्य संकट के कारण सामाजिक और राजनितिक उथल-पुथल यानी युद्ध जैसी स्थिति पैदा होने की चेतावनी दी है। इंडोनेशिया, आइवरी कोस्ट, सेनेगल, फिलिपींस, मोरोक्को जैसे देशों में स्थिति ख़राब है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में भी दाल, खाद्य तेल और चीनी की भारी कमी 2011 के बाद पैदा हो जायेगी। अर्जुन सेन गुप्ता कमिटी के अनुसार देश में 77 प्रतिशत फीसदी लोग 20 रुपये रोजाना से कम में अपना गुज़ारा करते हैं। सोचा जा सकता है की 15 रुपये किलो आटा और 18 रुपये किलो चावल भी इस तबके के लिए काफ़ी महंगा है।

जहाँ एक तरफ़ स्थिति इतनी भयंकर है, वहीँ कुछ तथ्य भुखमरी को मुँह चिड़ाते नज़र आते हैं। गार्जियन में छपी विश्व बैंक की एक गोपनीय रिपोर्ट के अनुसार अमीर देशों द्वारा जैव ईंधन के इस्तेमाल से खाद्य के दामों में 75 फीसदी[3] की वृद्धि हुई है। मक्का से एथेनोल बनाने वाले अमेरिका ने पिछले तीन साल के दौरान दुनिया के कुल मक्का उत्पादन का 75 प्रतिशत हिस्सा हड़प कर लिया। कनाडा में कीमत कम होने की वजह से 1,50,000 सूअरों को मारने पर 5 करोड़ डॉलर खर्च किए गए। भारत की सरकारी व्यवस्था भी पीछे नहीं है। भारतीय खाद्य निगम ने माना है की उसके गोदामों में हर साल 50 करोड़ रुपये का 10.40 लाख मीट्रिक तन अनाज ख़राब हो जाता है। यह अनाज हर साल सवा करोड़ लोगों की भूख मिटा सकता है! दुनिया में खाने-पीने की कमी नहीं, बल्कि उनके सही बँटवारे की कमी है।

भारत में खाद्यान्न की समस्या- खाद्यान्न की कमी ने विश्व के सर्वोच्च संगठनों और सरकारों को भी सोचने पर विवश कर दिया है। भारत में हाल ही में ÷खाद्य सुरक्षा बिल÷ लाया गया है, लेकिन इस बिल का पास होना या ना होना इसकी सफलता नहीं है। सब जानते हैं कि भारत में खाद्यान्न की कमी कोई ख़ास मुद्दा नहीं है, बल्कि सार्वजनिक आपूर्ति प्रणाली और खाद्यान्न भंडारण की समस्या असली समस्या है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं। ऐसा नहीं है कि भारत में खाद्य भंडारण के लिए कोई कानून नहीं है। 1979 में खाद्यान्न बचाओ कार्यक्रम शुरू किया गया था। इसके तहत किसानों में जागरूकता पैदा करने और उन्हें सस्ते दामों पर भंडारण के लिए टंकियाँ उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया था, लेकिन इसके बावजूद आज भी लाखों टन अनाज बर्बाद होता है।

बढ़ती आबादी और भुखमरी- सवा अरब आबादी वाले भारत जैसे देश में, जहाँ सरकारी आकलनों के अनुसार 32 करोड़ लोग ग़रीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। एफएओ के अनुसार, भारत में 2009 में 23 करोड़ 10 लाख लोग चरम भूखमरी का सामना कर रहे थे। आज भी स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। देश में खाद्यान्न का उत्पादन बड़े स्तर पर होने के बावजूद बहुत बड़ी आबादी भुखमरी का संकट झेल रही है। तेज़ीसे आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत का विश्व भुखमरी सूचकांक में 88 देशों में 66वाँ स्थान है। भारत में राज्य स्तर पर तो और भी व्यापक असमानता देखने को मिलती है। झारखण्ड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा और राजस्थान आदि में भूख एवं कुपोषण से पीड़ित लोगों की संख्या अन्य भागों से अधिक है। आबादी बढ़ने एवं खाद्यान्न की स्थिर पैदावार के कारण देश में प्रति व्यक्ति अनाज की खपत घटती जा रही है। यूनीसेफ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रतिदिन 5000 बच्चे कुपोषण के शिकार होते जा रहे हैं। जन वितरण प्रणाली के माध्यम से ग़रीबों को मिलने वाला अनाज भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। कृषि क्षेत्र लगातार सरकारी उपेक्षा का शिकार हो रहा है। आज देश की अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र की हिस्सेदारी मात्र 14 फीसदी है और इस पर 55 फीसदी कामगारों की आजीविका चलती है। आज कृषि क्षेत्र कभी एक फीसदी, दो फीसदी या फिर ऋणात्मक दर से वृद्धि कर रहा है। आजादी के 65 वर्ष बीत जाने के बाद भी आज साठ फीसदी खेती वर्षा के सहारे हो रही है।

खाद्यान्न की बर्बादी- हाल ही में हुए एक शोध से यह पता चला है कि भारत में विवाह आदि समारोहों में खाने की जबरदस्त बर्बादी होती है। शोध में पाया गया कि सिर्फ बंगलूर शहर में हुई शादियों में क़रीब 950 टन खाद्य पदार्थ बर्बाद हुआ। समस्या सिर्फ खाना फेंकने की ही नहीं है, शादियों के भोजन में कैलौरी भी ज़रूरत से ज्यादा होती है। भारत में जहाँ कुपोषण की बड़ी समस्या है तो फिर ज़रूरत से ज्यादा कैलौरी वाला खाना खिलाना भी एक तरह की बर्बादी है। विश्व खाद्य उत्पादन पर एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत में मजबूत आर्थिक प्रगति के बावजूद भुखमरी की समस्या से निपटने की रफ्तार बहुत धीमी है। संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में खाद्यान्न का इतना भंडार है, जो प्रत्येक स्त्री, पुरुष और बच्चे का पेट भरने के लिए पर्याप्त है, लेकिन इसके बावजूद करोड़ों लोग ऐसे हैं, जो दीर्घ कालिक भुखमरी और कुपोषण या अल्प पोषण की समस्या से जूझ रहे हैं।

साल दर साल 24% भागा मुनाफा, कंपनी ने दिया निवेशकों को तोहफा; 1 पर 1 शेयर फ्री मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने 15 अक्टूबर को वित्तीय वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी किए। साल दर साल कंपनी का मुनाफा 24 फीसदी तक बढ़ा है। पिछले वर्ष इसी तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 576.61 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 718.43 करोड़ रुपये हो गया। लेकिन तिमाही-दर-तिमाही आधार पर, शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के 747.55 करोड़ से 3.9% कम रहा, जबकि राजस्व में 6% की वृद्धि हुई। नतीजों के साथ कंपनी ने निवेशकों को बड़ा तोहफा दिया है। निवेशकों को एक पर एक बोनस शेयर देने का एलान किया है।

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट का ऑपरेशनल रेवेन्यू वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 1,027.40 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही के 887.21 करोड़ रुपये से 15.8ञ् अधिक है। AUरूमें वित्त वर्ष 26 की दूसरी तिमाही में 14% वार्षिक और 2% तिमाही-दर-तिमाही वृद्धि देखी गई और यह ?8,72,800 करोड़ हो गई।

बोनस शेयर का एलान- अपने आय प्रदर्शन के साथ-साथ, एएमसी ने अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर जारी करके पुरस्कृत किया। एचडीएफसी एएमसी ने 1ः1 के अनुपात में बोनस जारी करने की घोषणा की। अगर रिकॉर्ड डेट से पहले आप कंपनी के शेयर खरीदते हैं तो आपको एक बदले एक शेयर और मिलेगा। एचडीएफसी एएमसी के बोनस इक्विटी शेयर प्राप्त करने के लिए कंपनी के सदस्यों की पात्रता निर्धारित करने की रिकॉर्ड तिथि बुधवार, 26 नवंबर, 2025 निर्धारित की गई है। यानी 26 नवंबर से पहले आपको इसके शेयर लेने होंगे।

तिमाही के लिए, एचडीएफसी एएमसी ने 35 आधार अंकों के परिचालन मार्जिन के साथ 7,179 मिलियन रुपये की कुल आय और 5,717 मिलियन रुपये का कर-पश्चात लाभ दर्ज किया।एचडीएफसी एएमसी 26 मिलियन सक्रिय खातों को सेवा प्रदान करती है और इसके लगभग 14.5 मिलियन विशिष्ट निवेशक हैं, और इसके 103,000 से अधिक भागीदारों का वितरण नेटवर्क भारत के लगभग 98 प्रतिशत पिन कोड को कवर करता है।

दिवाली से पहले इस राज्य की महिलाओं की होगी बल्ले-बल्ले, मिलेगा फ्री सिलेंडर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली आने में बस कुछ ही दिनों का वक्त रह गया है। ऐसे में एक राज्य की महिलाओं को सरकार की ओर से बड़ा तोहफा मिल सकता है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं को बड़ा तोहफा देने का एलान किया है।

महिलाओं को फ्री सिलेंडर का ये तोहफा प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिया जाएगा। इससे लगभग राज्य की 1.86 करोड़ महिलाओं को फायदा पहुँचने वाला है।

कब-कब मिलेगा फ्री सिलेंडर- मीडिया रिपोर्ट की मानें तो उत्तर प्रदेश की सरकार महिलाओं को साल में दो बार फ्री सिलेंडर देगी। ये फ्री सिलेंडर उन महिलाओं को मिलेगा, जो प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के पहले से ही लाभार्थी है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत फ्री सिलेंडर दो चरणों में दिया जाएगा।

पहला चरण अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक का होगा। इसके साथ ही दूसरा चरण जनवरी 2026 से मार्च 2026 तक होगा। इन दोनों ही चरणों में महिलाओं को फ्री सिलेंडर दिया जाएगा। इसके तहत लाभार्थियों को 14.2 किलोग्राम सिलेंडर के लिए खाते में पैसे या सब्सिडी दी जाएगी।

जो महिलाएं प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत लाभार्थी होंगी, वहीं इस लाभ के पात्र होंगे। अगर किसी लाभार्थी ने आधार कार्ड का वेरिफिकेशन नहीं किया होगा।

चांदी खरीदकर रख लो या फिर ETF, बेचा तो सरकार को देना होगा इतना टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। चांदी की रफ्तार ने सभी को चौंका दिया है। इस धातु की कीमतें रुकने का नाम ही नहीं ले रही हैं। जैसे-जैसे धनतेरस और दिवाली नजदीक आ रही है, कई भारतीय न सिर्फ परंपरा के लिए, बल्कि एक आशाजनक निवेश के रूप में भी चांदी की ओर रुख कर रहे हैं। जहां सोना अपनी तेज तेजी के साथ सुर्खियां बटोर रहा है, वहीं चांदी भी पीछे नहीं है, जो लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रही है। पूरे भारत में धनतेरस और दिवाली की खरीदारी जोरों पर है, वहीं कई शहरों में चांदी की कीमतें नए शिखर पर पहुंच गई हैं। बढ़ती कीमतों के बीच बहुत सी म्यूचुअल फंड कंपनियों गोल्ड के ETF पर नया निवेश बंद कर दिया है। हालांकि, कुछ पर ईटीएफ पर निवेश जारी है। हालांकि, इन सबके बीच अगर आप चाहे सोना खरीद ले या चांदी फिर इनके ईटीएफ खरीद लें। खरीदने के बाद अगर आप इसे लंबे समय तक अपने पास रखते और कुछ सालों के बाद बेचते हैं तो आपको इस पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स भी देना पड़ेगा।

आगे बढ़ें उससे पहले जान लेते हैं कि आखिर चांदी में निवेश करने के 3 सबसे प्रमुख तरीके हैं- फिजिकल सिल्वर (इसमें सिक्के, बार और आभूषण), डिजिटल चांदीः ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से खरीदी जाती है और सिल्वर श्वञ्जस्न (म्यूचुअल फंड जैसे स्टॉक एक्सचेंजों पर कारोबार किया जाता है)।

चांदी बेची तो कितना टैक्स लगेगा- सिल्वर ईटीएफ को पूंजीगत संपत्ति माना जाता है और लाभ को होल्डिंग अवधि के आधार पर वर्गीकृत किया जाता है। यदि इसे 12 महीने या उससे अधिक समय तक रखा जाता है, तो लाभ को long-term capital gains (LTCG) माना जाता है और इस पर 12.5% की रेट टैक्स से टैक्स लगता है। यदि इसे 12 महीने से कम समय तक रखा जाता है, तो लाभ को अल्पकालिक पूंजीगत लाभ माना जाता है और निवेशक के लागू आयकर स्लैब के अनुसार टैक्स लगाया जाता है।

हर महीने 4000 रुपये की एसआईपी से 15 साल बाद कितना बनेगा फंड?

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूचुअल फंड में ज्यादातर लोग निवेश के लिए एसआईपी का चयन करते हैं। एसआईपी के जरिए आप छोटी किस्तों से बड़ा फंड तैयार कर सकते हैं। इसमें होने वाले निवेश से एक्सपेंस पर भी असर नहीं पड़ता। आज हम एसआईपी कैलकुलेशन की मदद से समझेंगे कि 15 साल के लिए हर महीने 4000 रुपये की एसआईपी से कितना फंड बनकर तैयार होगा?

कैलकुलेशन

निवेश रकम- 4000 महीने प्रति माह

निवेश अवधि- 15 साल

अगर कोई व्यक्ति 15 साल के लिए हर महीने 4000 रुपये की एसआईपी करता है, तो 12 फीसदी रिटर्न के हिसाब से उसे 25,23,000 रुपये मिलेंगे। इन 15 सालों में मूलधन 9 लाख रुपये होगा।

निवेश अवधि 7 साल रखें- ये माना जाता है कि एसआईपी के जरिए आपको कम्पाउंडिंग का फायदा तभी मिलेगा, जब आप 7 साल का इंतजार करेंगे। इसका मतलब है कि आपको निवेश अवधि 7 साल रखनी होगी।

5 अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश- इस नियम में इस्तेमाल होने वाला 5 ये बताता है कि आपको 5 अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करना चाहिए। एसेट क्लास जैसे इक्विटी, बॉन्ड, रियल इस्टेट, गोल्ड इत्यादि। सरल भाषा में कहा जाए तो आपको पोर्टफोलियो को जितना हो सकें, उतना विविधीकरण करना चाहिए। ताकि आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रह सकें।

बैंक का मुनाफा घटकर रहा 5090 करोड़, बेड लोन से आय में कमी, बट्टे खाते में डाले 3265 करोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दिग्गज प्राइवेट बैंक, एक्सिस बैंक ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। बैंक का नेट प्रॉफिट 5090 करोड़ रुपये रहा, हालांकि सालाना आधार पर इसमें 26% की गिरावट आई है। मुनाफे में यह गिरावट बेड लोन के कारण की गई हाई प्रोविजनिंग के कारण हुई है, जिससे बैंक की इनकम पर दबाव बढ़ा। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में बैंक की कुल इनकम 1% बढ़कर 37,595 करोड़ रुपये रही।

स्टॉक एक्सचेंज को दी फाइलिंग में बैंक ने कहा, ÷दूसरी तिमाही के दौरान ग्रॉस स्लिपेज 5,696 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में यह 8,200 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 4,443 करोड़ रुपये था। वहीं, इस तिमाही के दौरान एनपीए से रिकवरी और अपग्रेड 2,887 करोड़ रुपये रहा। वहीं, इस दौरान बैंक ने कुल 3,265 करोड़ रुपये के एनपीए को बट्टे खाते में डाला।

हर पैमाने पर कैसे रहे नतीजे- बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम सालाना आधार पर 2 फीसदी बढ़ी है जबकि नेट इंटरेस्ट मार्जिन 3.73 फीसदी रहा।

30 सितंबर 2025 तक बैंक का ग्रॉस एनपीए और नेट एनपीए क्रमशः 1.46ञ् और 0.44ञ् रहा, जबकि 30 जून, 2025 तक यह 1.57ञ् और 0.45% था।

इस तिमाही के दौरान ग्रॉस स्लिपेज 5,696 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में यह 8,200 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में 4,443 करोड़ रुपये था।

कहां है भारत की सबसे बड़ी गोल्ड रिफाइनरी, जहां हर साल शुद्ध होता है 300 टन सोना

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में सोना बड़ी मात्रा में आयात किया जाता है लेकिन इसकी रिफाइनिंग देश में की जाती है। क्या आप जानते हैं भारत की सबसे बड़ी गोल्ड रिफाइनिंग कंपनी कौन-सी है और यहां कितनी बड़ी मात्रा में सोने को शुद्ध किया जाता है। MMTC-PAMP भारत की सबसे बड़ी और सरकारी गोल्ड रिफाइनरी है। इसकी स्थापना भारत की एमएमटीसी लिमिटेड और स्विट्जरलैंड की एमकेएस पीएएमपी एसए के बीच एक ज्वाइंट वेंचर के तौर पर हुई थी। खास बात है कि MMTC-PAMP देश में सबसे बड़ी गोल्ड रिफाइनिंग क्षमता के लिए जानी जाती है।

क्या होती है गोल्ड रिफाइनरी- गोल्ड रिफाइनरी, एक ऐसी फैसिलिटी है जहां सोने को शुद्ध किया जाता है। दरअसल, यहां अयस्क या रिसाइकिल आइट्मस जैसे कच्चे माल से सोने को अलग करके प्योरिफाई किया जाता है।

-यह देश की सबसे बड़ी गोल्ड रिफाइनरी है जिसकी वार्षिक क्षमता 300 टन से अधिक सोना और 600 टन चांदी रिफाइन करने की है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सड़कों के गड्ढों के लिए एजेंसी के साथ अब इंजीनियर भी होंगे जिम्मेदार, सभी के निर्धारित किए गए टारगेट

भोपाल। प्रदेश में ज्यादा बारिश से सड़कों की स्थिति खराब हुई है। कहीं गड्ढे हुए, तो कहीं ऊपरी परत उधड़ गई। ऐसी सड़कों को चिह्नित करने के लिए लोक निर्माण विभाग ने प्रदेशभर में सर्वे कराया था। रिपोर्ट में लगभग 168 किमी लंबे हिस्से को सुधारने की आवश्यकता बताई गई है। यह काम अगले 15 दिनों में किया जाएगा। साथ ही विभाग ने तय किया है कि सड़क खराब होती है तो उसके लिए एजेंसी के साथ इंजीनियर भी जिम्मेदार होंगे। उन्हें समय पर सूचित करना होगा, ताकि रखरखाव कराया जा सके।

प्रदेश के कई जिलों में इस बार अतिवर्षा की स्थिति बनी। इसके कारण सड़कों में गड्ढे भी हुए और कुछ सड़कों की ऊपरी परत भी उधड़ गई। इसे देखते हुए लोक निर्माण मंत्री

राकेश सिंह ने अभियंताओं की टीम मैदान में उतारकर सर्वे कराया। लगभग दस हजार किलोमीटर सड़क का सर्वे हुआ। इसमें 168 किलोमीटर सड़क ऐसी पाई गई, जिसका रखरखाव जल्द किया जाना आवश्यक है। इसे देखते हुए प्रमुख अभियंता केपीएस राणा ने सभी मुख्य अभियंताओं को निर्देश दिए कि अक्टूबर में रखरखाव का काम प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए। गड्ढों के लिए इंजीनियर की जिम्मेदारी तय होगी

जो सड़क परफार्मेंस गारंटी में हैं, उनका काम एजेंसी से कराएं और जो विभाग के पास हैं, उनके लिए ठेकेदार चिह्नित किए जाएं। इसके साथ ही यह भी तय किया गया है कि जिस सड़क पर गड्ढे पाए जाएंगे, उसके लिए एजेंसी के साथ-साथ संबंधित क्षेत्र के इंजीनियर की जिम्मेदारी तय होगी। मुख्य अभियंता, कार्यपालन यंत्री से लेकर सहायक यंत्री तक के निरीक्षण के लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। इसका उद्देश्य यही है कि सड़कें ठीक रहें और जहां भी सुधार की आवश्यकता हो, वहां समय रहते काम हो जाए ताकि बड़ा नुकसान न हो।

नगरीय निकायों की सड़कें भी जल्द सुधारी जाएंगी

उधर, प्रदेश के नगरीय निकायों के अंतर्गत आने वाली सड़कों को भी शीघ्र सुधारा जाएगा। पिछले दिनों विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने भोपाल की सड़कों का दौरा करके अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि रखरखाव का काम प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इसके बाद भोपाल में खराब सड़कों को सुधारना भी प्रारंभ हो गया है। अन्य नगर निगमों में भी सड़क सुधार का काम होगा।

मुरैना में दिनदहाड़े मां-बेटी को बंधक बनाकर डकैती, अंबाह वाला हार पूछते रहे बदमाश

मुरैना। मुरैना शहर के मुड़िखेड़ा क्षेत्र में बुधवार को एक सनसनीखेज डकैती की वारदात सामने आई, जहां पांच हथियारबंद बदमाशों ने डेयरी संचालक नवल किशोर गुप्ता के घर में घुसकर मां-बेटी को बंधक बनाकर लूटपाट की। बदमाशों ने घर के तीन गेट पार कर अंदर प्रवेश किया और नकदी व गहनों की मांग करते हुए अंबाह वाला हार पूछते रहे।

बेसबॉल बैट से मारा और कट्टा ताना

पीड़ित सरोज गुप्ता और उनकी बेटी सिमरन ने बताया कि घर में तीन गेट हैं- मुख्य गेट, गली वाला गेट और तीसरा अंदर का गेट। बदमाश पहले दो गेट खोलकर तीसरे गेट तक पहुंच गए। तीसरा गेट सिमरन ने खोला था, जिसके बाद बदमाश अंदर घुस गए। पुलिस को शक है कि बाहर के गेट खोलने की जानकारी घर या डेयरी पर काम करने वाले नौकरों को थी। सरोज गुप्ता ने बताया कि बदमाशों ने घर में घुसते ही उन्हें और उनकी बेटी को धमकाया। उन्होंने बेसबॉल बैट से मारा और कट्टा तान दिया। ÷मेरी सांस की बीमारी है, बदमाशों ने दवा तक छीन ली,÷ सरोज ने बताया। सिमरन ने बताया कि एक बदमाश ने उसके मुंह में कट्टे की नली घुसा दी और गहनों व पैसे की मांग की।

आधा घंटे तक घर में की लूटपाट

बदमाश करीब आधा घंटे तक घर में लूटपाट करते रहे। उन्होंने 10 से 12 लाख रुपये नकद और सोने-चांदी के आभूषण, जिनमें आठ अंगूठियां, दो चेन और एक ब्रासलेट शामिल थे, लूट लिए। सिमरन ने बताया कि उस समय वह अपनी सहेली से फोन पर बात कर रही थी। सहेली ने घटना की आवाजें सुनकर तुरंत 112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी, लेकिन पुलिस टीम काफी देर बाद मौके पर पहुंची। घटना के बाद एसपी समीर सौरभ, एएसपी सुरेंद्र पाल सिंह, स्टेशन रोड थाना पुलिस, डॉग स्क्वाड, फिंगरप्रिंट टीम और साइबर टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एक बदमाश की साफी (गमछा) घटना स्थल पर मिली है, जो जांच में अहम सुराग बन सकती है।

डेयरी संचालक नवल किशोर गुप्ता ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी की शादी के लिए पहले ही गहने बनवाकर रखे थे, क्योंकि सोने के दाम लगातार बढ़ रहे थे। वही गहने अब लूटे गए हैं। घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। कांग्रेस ग्रामीण जिलाध्यक्ष मधुराज सिंह तोमर, ननि सभापति राधारमण डंडौतिया और कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि अगर दो दिन में बदमाश नहीं पकड़े गए और लूटा गया माल वापस नहीं मिला, तो पुलिस के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा।

फिंगरप्रिंट, डॉग स्क्वाड और साइबर टीमें जांच में लगी हैं। फिलहाल कुछ भी स्पष्ट नहीं है, लेकिन जल्द ही आरोपितों को पकड़ा जाएगा।÷

-एसपी समीर सौरभ

सिवनी हवाला कांड में सस्पेंड एसडीओपी पूजा पांडे अपने बच्चे को लेकर कोर्ट पहुंची, डीएसपी, एसआई समेत 10 पुलिसकर्मी दो दिन की रिमांड पर

सिवनी। जिले में दो करोड़ 96 लाख रुपये के हवाला कांड की रकम हड़पने के आरोप में निलंबित डीएसपी/एसडीओपी पूजा पांडे, निलंबित एसआई अर्पित भैरम सहित 10 पुलिसकर्मियों को एसआईटी ने बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया।

भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कड़ी सुरक्षा के बीच सभी आरोपितों को लाया गया। इस दौरान पूजा पांडे अपने मासूम बेटे को साथ लेकर पहुंचीं। न्यायालय ने विस्तृत पूछताछ करने के लिए दो दिन की पुलिस रिमांड दी है। 17 अक्टूबर को एसआईटी पुन- सभी गिरफ्तार आरोपितों को न्यायालय में पेश करेगी। हवाला की रकम हड़पने के मामले में 11 पुलिस कर्मियों पर डकैती, अपहरण जैसी संगीन धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज है। प्रधान आरक्षक राजेश जंघेला को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर पाई है।

गौरतलब है कि जबलपुर रेंज के आइजी प्रमोद कुमार वर्मा ने सीएसपी आयुष गुप्ता से प्रकरण की प्रारंभिक जांच कराई थी। पुलिस कर्मियों पर दर्ज अपराध की जांच करने के लिए विशेष जांच दल (एसआइटी) का गठन किया है। दो किस्तों में जब्त हवाला के दो करोड़ 70 लाख रुपये की राशि की जांच क्राइम ब्रांच जबलपुर कर रही है।

हवाला के एक करोड़ 45 लाख रुपये नौ अक्टूबर को निलंबित एसडीओपी पूजा पांडे व निलंबित एसआई अर्पित भैरम ने जमा कराए थे।

3 अक्टूबर को नागपुर से एक करोड़ 25 लाख रुपये जब्त कर पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया था। शेष रकम की बरामदगी के लिए क्राइम ब्रांच जबलपुर जांच कर रही है। आयकर विभाग भी मामले की जांच कर रहा है।

सफारी के नियमों का उल्लंघन, टाइगर रिजर्व में बाघिन का वीडियो वायरल, पन्ना के ऑफिसर ने लिया सख्त एक्शन

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व में हाल ही में घटित एक घटना ने पर्यावरण और वन्यजीव प्रेमियों को हैरान कर दिया। इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में देखा गया कि एक बाघिन पर्यटकों की गाड़ियों के पीछे दौड़ रही है। यह वीडियो रोमांचक लगने के बावजूद पार्क प्रबंधन के लिए चिंता का विषय बन गया। यह वीडियो पर्यटकों द्वारा कैमरे में कैद किया गया था और इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। वीडियो वायरल होते ही पन्ना टाइगर रिजर्व प्रशासन हरकत में आया और तत्काल जांच शुरू की। जांच में पाया गया कि इस दौरान सफारी के नियमों का उल्लंघन हुआ था।

सफारी के नियमों का हुआ उल्लंघन- अतिरिक्त क्षेत्र संचालक मोहित सूद ने बताया कि यह पूरा घटनाक्रम 12 अक्टूबर की शाम की सफारी के दौरान पीपल टोला क्षेत्र का है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि सफारी के दौरान गाड़ियों की दूरी निर्धारित नियमों के अनुसार नहीं रखी गई थी। गाड़ियां बाघिन के बहुत करीब पहुंच गई थीं, जिससे वह परेशान हो गई और गाड़ियों के पीछे दौड़ने लगी।

उन्होंने बताया कि संबंधित जिप्सी संचालकों और गाइडों ने पार्क नियमों का उल्लंघन किया है। इसलिए उन पर 30 दिनों का प्रतिबंध और दो-दो हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। साथ ही, इस मामले की विस्तृत जांच रेंजर स्तर पर कराई जा रही है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों।

वाहन चालकों और गाइडों के नाम इस प्रकार हैं

1. एमपी-35-टी-4698 - चालक भूपत सिंह यादव

2. एमपी-35-जेडसी-1285 चालक पवन कुमार प्रजापति

3. एमपी-35-जेडडी-9160 चालक-मोनू अहिरवार

4. एमपी-35-टी-0814 चालक- ब्रजेन्द्र यादव

गाइडों के नाम-1. सुरेश कुमार शिवहरे

2. भारती रैकवार

3. पुष्पा सिंह

4. आकाश खंगार

इन सभी पर 30 दिनों के लिए पार्क में प्रवेश प्रतिबंधित किया गया है और दो-दो हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। सुरक्षित और नियंत्रित अनुभव देना उद्देश्य

अतिरिक्त क्षेत्र संचालक मोहित सूद ने बताया कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए पार्क प्रशासन ने 'बगीरा ऐप' को सक्रिय रूप से संचालित करना शुरू कर दिया है। इस ऐप के माध्यम से सफारी वाहनों की लोकेशन और गतिविधियों पर निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने कहा, ÷हमारा उद्देश्य पार्क के अंदर बाघों की सामान्य गतिविधियों को प्रभावित किए बिना पर्यटकों को सुरक्षित और नियंत्रित अनुभव देना है। जो भी संचालक या गाइड नियमों का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सुनी आमजनों की समस्याएं

वृद्ध महिला को रेडक्रॉस के माध्यम से राशि दिलायी, पेंशन भी होगी शुरू

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आमजनों की समस्याएं सुनी और अपनी संवेदनशीलता दिखाते हुए उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में अपनी पेंशन प्रकरण को लेकर पहुँची एक वृद्धा की समस्या का समाधान हाथों-हाथ हो गया। कुमेड़ी काकड़ निवासी एक वृद्धा ने बताया कि मुझे ?पिछले कुछ महीनों से वृद्धावस्था पेंशन नहीं मिल रही है। ग्रामीण सचिव ने मेरी पेंशन रोक दी है। कलेक?टर श्री वर्मा ने वृद्धा के प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए उन्हें तुरंत 12 हजार रुपये की राशि दिलाने के निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण सचिव के वेतन कटौती के आदेश भी दिए।

कलेक्टर श्री वर्मा को पिपल्यापाला निवासी आरती पलवार ने बताया कि पटेल मेडिकल के फर्जी डॉक्टर के गलत इलाज के कारण मेरे पति की मृत्यु हो गई और मेरा जीवन अंधकारमय हो गया। कलेक्टर श्री वर्मा ने इस प्रकरण को तुरंत संज्ञान में लेते हुए राऊ एसडीएम को निर्देशित किया कि वे इस मामले की जांच कर दोषी डॉक्टर के विरूद्ध कार्रवाई करें। जनसुनवाई में अपनी पेंशन, जीपीएफ आदि समस्याओं को लेकर पहुँचे रिटायर्ड स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय अग्रवाल की समस्या को कलेक्टर श्री वर्मा ने ध्यान से सुना और मौके पर ही तुरंत मोबाइल के माध्यम से स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शॉजी जोसफ से संपर्क कर उन्हें निर्देशित किया कि वे सेवानिवृत्त स्वास्थ्य अधिकारी के पेंशन और अन्य भुगतानों संबंधी ?निराकरण जल्दी करें।

जनसुनवाई में आयी केशव नगर एरोड्रम रोड निवासी दिव्यांग छात्रा यासमिन ने बताया कि मैं शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई गर्ल्स कॉलेज में बी कॉम द्वितीय वर्ष की छात्रा हूँ। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की वजह से मुझे अध्ययन में परेशानी आ रही है। कलेक्टर श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित कर यासमिन को तुरंत लैपटॉप उपलब्ध कराने को कहा।

तेजाजी नगर निवासी दिव्यांग राजेश पटेल अपनी समस्याओं को लेकर कलेक्टर श्री वर्मा से मिले। उन्होंने बताया कि पैरो में तकलीफ होने के वजह से आने-जाने में परेशानी होती है। कलेक्टर श्री वर्मा ने दिव्यांग व्यक्ति की समस्या को गंभीरता सुना और सामाजिक न्याय विभाग से ई-रिक्शा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये।

उच्च शिक्षा की छात्रा भारती जाटव और कुसुम जामोद आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से कॉलेज की फीस नहीं भर पा रही थी। कलेक्टर श्री वर्मा ने दोनों छात्राओं की तत्काल मदद करने के निर्देश अधिकारियों को दिये। कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी अधिकरियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में आने वाले प्रत्येक आवेदन को दर्ज करें, आवेदकों को समस्याएं संवेदनशीलता के साथ सुनें और उनका निराकरण करें। जो समस्याएं मौके पर निराकृत नहीं हो सकती ऐसे प्रकरणों के लिये समयसीमा तय करें। जनसुनवाई में अधिकांश आवेदन पारिवारिक विवाद, संपत्ति विवाद, प्लाट आवंटन, भरण-पोषण, बीमारी सहायता आदि के लिये आये।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, श्री पंवार नवजीवन विजय, श्री रिंकेश वैश्य सहित सभी एसडीएम एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों भी उपस्थित रहे।

दुःख की घड़ी में शासन प्रभावितों के साथ- जल संसाधन मंत्री

इंदौर। गत दिवस सांवेर तहसील के चंद्रवतीगंज क्षेत्र में हुई वाहन दुर्घटना के बाद जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने अपनी सभी व्यस्तताएं स्थगित कर देर रात करीब 12.30 बजे ट्रेक्टर ट्रॉली हादसे में हुए घायलों से मिलने इंदौर अरबिंदो हॉस्पिटल पहुँचे। मंत्री श्री सिलावट हॉस्पिटल के अलग-अलग वार्डो में भर्ती सभी 9 घायलों और उनके परिजनों से मिले और उनके स्वास्थ के बारे में डॉक्टरों से जानकारी प्राप्त की। मंत्री सिलावट ने डॉक्टरों को निर्देश दिये कि वे ट्रैक्टर, ट्राली हादसे में घायल सभी के इलाज में कोई कसर नही छोड़ी जाए। इन सभी के समुचित उपचार का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। इलाज में कोई कमी नहीं आने दें। सभी घायलों के साथ राज्य सरकार खड़ी है। साथ ही उन्होंने कहा कि दुखद हादसे के मृतकों के परिजनो को शासन की और से 4- 4 लाख रुपये की आर्थिक राशि प्रदान की जायेगी।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने कलेक्टर कार्यालय में गोबर से निर्मित स्वदेशी दीये विक्रय स्टॉल का किया शुभारंभ

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले दिनों अपने इंदौर प्रवास के दौरान नेहरू पार्क में राष्ट्रीय स्वच्छता दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में लगाई प्रदर्शनी में इंदौर में नवाचार के तहत गोबर से स्वदेशी दीये बनाने की मशीन का अवलोकन किया था और उन्होंने दीये बनाये जाने के संबंध में जानकारी ली और स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहित करने के इंदौर के नवाचार की सराहना की थी। इस नवाचार को विस्तारित करने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने इस नवाचार के तहत गोबर से बने दीये के विधिवत बिक्री के लिए स्टॉल का शुभारंभ किया। उन्होंने अभिनव पहल करते हुए स्वयं दीए ख़रीदे और जनसुनवाई में बच्चों सहित अन्य आवेदकों को वितरित भी किये।

जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारु ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिले दिशा-निर्देश अनुसार कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने सेवा पखवाड़े के तहत स्वदेशी से खुशहाली लाने के लिये स्वदेशी अभियान को नई दिशा देते हुए विशेष पहल की। 14 अक्टूबर 2025 को कलेक्टर कार्यालय में गाय के गोबर से निर्मित दीये के स्टॉल का शुभारंभ किया। इंदौर नगर निगम क्षेत्र में खाद्य विभाग के 30 जनपोषण केंद्रों की उचित मूल्य दुकानों से गोबर से निर्मित स्वदेशी दीये विक्रय के लिए रखवाये गये है। जहाँ इस दीपावली त्यौहार पर 2 लाख से अधिक दीये विक्रय किये जायेंगे। विदित है कि इसके लिए नगर निगम इंदौर द्वारा संचालित रेशम केन्द्र खजुरिया तहसील हातोद स्थित गौशाला में तीन दर्जन से अधिक कर्मचारियों एवं 2 मशीनों से गोबर से प्राकृतिक दीये दिन-रात बनाये जा रहें है। गोबर से निर्मित स्वदेशी दीये निर्माण से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा के अनुसार स्वदेशी अभियान को नई गति मिलेगी।

रजत जयंती के मौके पर मराठी सोशल ग्रुप का अभिनन्दन

इंदौर। इन्दौर में संस्कृति, स्वाद और सहकार भावना के अद्वितीय आयोजन मेगा ट्रेड फेयर और मराठी फूड फेस्टीवल जत्रा के 25 वर्ष पूर्ण होने पर अभिनव कला समाज ने मेज़बान मराठी सोश्यल ग्रुप ट्रस्ट का अभिनन्दन किया।

अभिनन्दन पत्र में कहा गया मराठी जत्रा ने स्वाद, स्वच्छता, सौजन्यता, समन्वय और पारिवारिकता की मिसाल कायम करते हुए देशव्यापी प्रतिष्ठा अर्जित की है। यह आयोजन महाराष्ट्रीयन प्रबंध कौशल का अनुपम उदाहरण है। बदलते समय और सोच के साथ मराठी जत्रा ने भारतीय संस्कृति को जिस तरह से आत्मसात किया है वह अनुकरणीय है। इस आयोजन में बुजुर्ग और युवा पीढ़ी का अनोखा मिलन देखना रोमांचित करता है।

केकेसी म्युजिक क्लब ने 39 घंटे तक किशोर कुमार के गाने गाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

इंदौर। किशोर कुमार की पुण्यतिथि के अवसर पर केकेसी म्युजिक क्लब ने 39 घंटे के दोरान 125 गायक कलाकारों को शामिल कर बनाया एशियन बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड मे अपना नाम दर्ज करने के लिए गीतों का आयोजन किया जिसमे इंदौर सहित उज्जैन, धार, देवास, रतलाम, खंडवा, जयपुर, वाराणसी, बिहार, दिल्ली, मुंबई, पुणे, जोधपुर, अजमेर एवं अन्य और अन्य शहरों से गायक कलाकारों ने अभिनव कला समाज गाँधी हाल मे आकर किशोर कुमार को अपने अपने गीतों से श्रद्धांजलि अर्पित की. आयोजक दीपक पाठक ने बताया की किशोर कुमार की याद मे प्रतिवर्ष 12-13 अक्टूबर को होने वाले गीतों का महाकुंभ मे 100 से अधिक गायक कलाकार मिलकर करीब 250 से अधिक गीत गाये है, आयोजन को फेसबुक से भी लाइव किया गया था,आयोजन मे गायक कलाकार नासिर खान, रेखा रावल, रश्मि तिवारी, रफीक खान, कैलाश गुरबानी, रोहित शर्मा, शिल्पा चौहान, विवेक शर्मा, दीपक शर्मा, लक्ष्मी शर्मा, अजय डाबी, मनीष पगारे, राधाकिशन कदम, दीपक मल्होत्रा आदि गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर एक नगमे प्रस्तुत किये, इस आयोजन मे केकेसी किशोर अवार्ड - 2025 इंदौर के श्री नवीन खंडेलवाल को एवं कलकत्ता की गायिका अजंता सरकार को नगद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया. 13 अक्टूबर को विश्व विख्यात केकेसी क्लब का 10 वां जन्मदिन केक काटकर मनाया गया आयोजन 12 अक्टूबर को प्रात: 5:45 बजे प्रारंभ होकर अगले दिन 13 अक्टूबर को रात्रि 10 बजे तक सतत् दिन और रात जारी रहा.

शोक संतृप्त परिवारों से मिलकर ढांढस बंधाया और अंतिम यात्रा में शामिल हुए मंत्री श्री सिलावट

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट आज मंगलवार को द्रवित हृदय के साथ ग्राम बीबीखेड़ी पहुंचकर दुःखद हादसे में काल कवलित हुए तीनों दिवंगतों के अंतिम संस्कार में सम्मिलित हुए और भारी मन से उन्हें विदाई दी तथा उनकी सद्गति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

ज्ञात हो कि सोमवार शाम सांवेर तहसील अंतर्गत चन्द्रावतीगंज के ग्राम हरियाखेड़ी में हुए दर्दनाक हादसे में 3 सदस्यों की मृत्यु हुई थी। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने शोक संतृप्त शोकाकुल परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है। प्रदेश के संवदेनशील मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार तीनों दिवंगतों के परिवारों के लिए राहत स्वरूप 4-4 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मैं, प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर पुण्यात्माओं को अपने परमधाम में स्थान दें तथा इस कठिन घड़ी में शोक संतप्त परिजनों को दुःख सहने का संबल प्रदान करें।

ग्राम हरियाखेड़ी में हुए दुःखद हादसे के उपरांत मंत्री श्री सिलावट ने आज सिविल हॉस्पिटल सांवेर में अधिकारियों व चिकित्सकों के साथ बैठक की। उन्होंने सभी घायलों के स्वास्थ्य और उपचार व्यवस्था के संबंध में चर्चा की तथा उनके लिए हर प्रकार की सुविधा एवं मदद सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

अहमदाबाद में आयोजित नेशनल अर्बन कॉन्क्लेव एवं मेयर समिट में महापौर मुकेश टटवाल सम्मिलित हुए

यह ऐतिहासिक आयोजन महापौरों और शहर के नेताओं के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा

उज्जैन। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन द्वारा दिनांक 15 अक्टूबर बुधवार को नेशनल अर्बन कॉन्क्लेव एवं मेयर समिट का आयोजन शुभारंभ गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल द्वारा किया गया। जिसमें उज्जैन नगर निगम से महापौर श्री मुकेश टटवाल सम्मिलित हुए।

यह ऐतिहासिक आयोजन महापौरों और शहर के नेताओं के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा, जिससे वे एकजुट होकर भारत के शहरी परिदृश्य में नवाचार, नेतृत्व और परिवर्तन ला सकेंगे, जो सरदार पटेल के दृष्टिकोण पर आधारित होगा और 2047 तक विकसित भारत और 2070 तक नेट जीरो भविष्य प्राप्त करने के राष्ट्रीय लक्ष्य के साथ संरेखित होगा

महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा जानकारी देते हुए बताया कि अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन द्वारा यह आयोजन सरदार वल्लभभाई पटेल के 150 वी जयंती के अवसर पर किया गया, सरदार वल्लभभाई पटेल अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन में वर्ष 1924 में चेयरपर्सन चुके हैं

उक्त समिट में अलग-अलग सत्रों में विषय विशेषज्ञ द्वारा जानकारी दी गई जिसमें सेफ सिटी कॉन्सेप्ट पर विचार किया गया जिसमें युवाओं, बच्चों, वृद्ध जनों एवं स्वच्छता के विषय पर चर्चा की गई साथ ही वाटर बॉडी संरचना पर चर्चा करते हुए प्रेजेंटेशन दिया गया।

स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय उपाध्यक्ष बने एल एन गहलोत

उज्जैन। स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों के हित में लड़ने वाले कर्मचारी नेता एलएन गहलोत को बुधवार को न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय उपाध्यक्ष का दायित्व सौपा गया।

न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के संभागीय अध्यक्ष एम आर मंसूरी ने एल एन गहलोत की सक्रियता और कर्मचारी हितों के लिए किए गए कार्यों को देखते हुए उन्हें संभागीय उपाध्यक्ष नियुक्त करते हुए पत्र बुधवार को जारी किया। न्यू बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम किशोर सिंह भदोरिया के मार्गदर्शन में एल एन गहलोत को संघ का संभागीय उपाध्यक्ष बनने पर संभागीय अध्यक्ष एमआर मंसूरी, संभागीय सचिव संजय सिसोदिया, जिला अध्यक्ष एसपी अहिरवार, कार्य. जिला अध्यक्ष माया योगी, जिला उपाध्यक्ष नवीन पांडे के नेतृत्व में राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव की अध्यक्षता में एवं प्रदेश महामंत्री राजेंद्र अहिरवार, प्रदेश संगठन मंत्री शकुंतला कौशल की गरिमामयी उपस्थिति में स्वास्थ्य कर्मचारियों ने श्री गहलोत का स्वागत किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए एलएन गहलोत ने कहा कि मैं दिये गये दायित्व का निर्वहन पुरी ईमानदारी से करूंगा और कर्मचारी हितों की रक्षा के लिए संघर्ष करता रहूंगा। इस अवसर पर रजाक मंसूरी, एमडी अहिरवार, मधुर तिवारी, अशोक शर्मा, अकबर खान, स्मिता धनोरकर, कविता मांड्रे, निर्मला अंधेरिया, शशिकला पाल, प्रीति शर्मा, अनीता भाटी, प्रेमलता नगरिया, शीतल शर्मा, नंदनी जोशी आदि उपस्थित थे।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर जागरूकता और उत्साह का संगम

उज्जैन। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर कृपा सोशल वेलफेयर सोसाइटी, उज्जैन द्वारा संचालित आरंभ एवं सक्षम परियोजना के अंतर्गत निर्मला ट्रेनिंग सेंटर में बालिका दिवस समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सिस्टर रेजिना रहीं, जबकि विशेष अतिथि के रूप में निर्मला स्कूल के संचालक फादर जेसन तथा संस्था निदेशक फादर सुनील उपस्थित रहे। अपने प्रेरक संबोधन में सिस्टर रेजिना ने बालिकाओं को मानव तस्करी जैसे गंभीर विषय पर जागरूक किया।

पोदार प्रेप के दीवाली मेला में दिखा भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान

उज्जैन। पोदार प्रेप में दीवाली फिएस्टा - अ फन फिल्ड मेला थीम पर रंगारंग दीवाली मेला का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपने माता-पिता संग पारंपरिक परिधानों में भाग लेकर रंगोली, पेपर पटाखा, ओरिगामी दिया जैसी गतिविधियों का आनंद लिया। कार्यक्रम पोदार प्रेप दताना, देवास रोड और महाकाल वाणिज्य केंद्र में हेडमिस्ट्रेस श्रद्धा सालुंके व नेहा सिंह चौहान के नेतृत्व में संपन्न हुआ। आयोजन का उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान और आनंद का भाव जगाना रहा।

राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत में उज्जैन संभाग कार्यवाहक अध्यक्ष बने सोनु शर्मा

उज्जैन। राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश सिंह चंदेल एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा पुनम सिंह वैश्य एवं राष्ट्रीय संगठन प्रभारी भागवत द्विवेदी के निर्देश अनुसार एवं संभाग अध्यक्ष पंकज शर्मा उज्जैन की सहमति पर सोनु शर्मा को राष्ट्रीय पत्रकार संघ भारत में उज्जैन संभाग कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

सोनू शर्मा की नियुक्ति पर ऋषिकेश त्रिपाठी मप्र अध्यक्ष, डॉ अशोक चौहान अध्यक्ष उप्र, नीरज तिवारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़, संपादक राकेश मिश्रा कार्यवाहक अध्यक्ष मप्र, नरेंद्र पांडे मप्र महामंत्री, अशोक तिवारी कानुनी सलाहकार मप्र, प्रमोद गुप्ता प्रदेश मिडिया प्रभारी, अटल दुबे मप्र प्रभारी, सुर्यप्रताप यादव मप्र सचिव, संभाग अध्यक्ष रीवा रवि गुप्ता, आकाश पयासी प्रभारी अध्यक्ष जबलपुर, संजय वर्मा संभाग अध्यक्ष इंदौर, जिला संगठन प्रभारी नितिन राजपूत शिवपुरी आदि ने हर्ष व्यक्त किया है। सोनू शर्मा ने कहा कि हम संगठन को और उंचाई तक बढ़ाने का काम करेंगे, संगठन के प्रति जागरूक रहेंगे।

भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 94वीं जयंती पर हुई निबंध प्रतियोगिता

उज्जैन। भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की 94वीं जयंती पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद आबिद अली मीर ने बताया कि भारत रत्न, देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति, मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 94वीं जयंती पर संस्था द्वारा सैंट मदर कान्वेंट स्कूल में निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ एपीजे कलाम मंच के अध्यक्ष एडवोकेट समीर खान ने अपने उद्बोधन में कहा डॉ. कलाम का पूरा जीवन हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत है। देश के लिए आधुनिक मिसाइल अग्नि का निर्माण किया। आपने अपना पूरा जीवन देश के लिए समर्पित रखा।

आप देश के सर्वोच्च पद राष्ट्रपति पद पर भी विराजित हुए। आपको देश का सर्वोच्च पुरस्कार भारत रत्न प्रदान किया गया। विशेष अतिथि इंजीनियर सद्दाम हुसैन ने डॉ. कलाम का स्मरण करते हुए कहा डॉ. कलाम राष्ट्रपति बनने के बाद भी पूरी सादगी से रहे।

आपने देश को अनेक अविष्कार कर मजबूत बनाया। आपका योगदान को यह देश कभी भुला नहीं पाएगा। मध्य प्रदेश हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी इकबाल हुसैन ने भी डॉ. कलाम के जीवन से जुड़ी कहानी सुनाई बच्चों को और आपने कहा अगर आप भी अपने जीवन में पूरी ईमानदारी और निष्ठा और कर्तव्य निष्ठा के साथ कार्य करेंगे तो आप भी आगे चलकर डॉ. कलाम जैसे महान व्यक्तित्व बन सकते हैं। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार दिए गए। अन्य प्रतियोगियों को प्रोत्साहन पुरस्कार डॉ. शकील अंसारी, समाजसेवी शाकिर शेख, शिक्षाविद रीना तिवारी, शिरीन मैडम, शकील अहमद, सैयद उस्मान हसन, जाहिद नूर एडवोकेट, शहजाद खान पप्पू भाई, सामाजिक कार्यकर्ता रईस अहमद द्वारा प्रदान किए गए।

इस वर्ष का डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम अवॉर्ड शिक्षा जगत में सर्वोच्च योगदान के लिए उस्मान मुल्तानी को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद इकबाल उस्मानी ने किया। कार्यक्रम में शहर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित थे। आभार सेंट मदार कान्वेंट स्कूल की प्राचार्य दरक्षा खान ने माना। उपरोक्त जानकारी प्रचार सचिव चेतन ठक्कर एवं संयुक्त सचिव नासिर मंसूरी ने दी।

अंतरराष्ट्रीय कबीरपंथ महासंघ की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनीं उज्जैन की महंत माया देवी

उज्जैन। अंतरराष्ट्रीय कबीरपंथ महासंघ की बैठक राष्ट्रीय महासचिव महंत डॉ (प्रो.) डीके भास्कर के निवास स्थान साहेब कॉलोनी, जगनपुरा में सम्पन्न हुई।

बैठक में महासंघ के विस्तार को लेकर गहन मंथन हुआ। इस मौके पर अंतरराष्ट्रीय कबीर पंथ महासंघ के महिला प्रकोष्ठ का गठन किया गया। जिसमें उज्जैन के कबीर आश्रम की महंत माया देवी को राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष मालवीय को सर्वसम्मती से चुना गया। इस बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत चुडामणी ने की।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com